कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 211 कानपुर, शुक्रवार 02 फरवरी 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

yaswaroop.in

भारतीय टीम इंग्लैंड पर पलटवार को तैयार... 10

आलू उत्पादक कृषकों हेतु हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण

कानपुर । सीएसए के साकभाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल योजना के अधीन अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत ग्राम बिहारीपुरवा में एक दिवसीय आलू उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं साग भाजी अनुभाग के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर आर बी सिंह द्वारा बताया गया कि आलू फसल में अधिकांश प्रजातियां 90 से सौ दिनों में परिपक्व हो जाती हैं। जब फसल परिपक्व हो जाती है तो उस समय बेल की कटाई कर देनी चाहिए। उन्होने बताया कि बेल कटाई का कार्य खुदाई के 10 से 15 दिन पहले की जानी चाहिए। बेल काटने से आलू कंद का छिलका कड़ा हो जाता है। जिससे आलू कंदों के भंडारण क्षमता में सुधार होता है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि आलू की पछेती फसल में जिंक, लोहा एवं बोरोन सूक्ष्म पोषक तत्वों का परणीय छिड़काव करें। डॉक्टर संजीव सचान ने आलू के विपणन एवं भंडारण विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि आलू का कंद के आकार के आधार पर ग्रेडिंग की जानी चाहिए। डॉ अजय कुमार यादव द्वारा आलू फसल पर लगने वाले रोगों एवं निदान के बारे में बताया तथा कहा कि झुलसा रोग के लिए समय से रीडोमिल दवाई का प्रयोग करें। इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार सिंह द्वारा आलू फसल में कीट प्रबंधन पर जानकारी दी तथा एमिडेक्लोप्रिड के छिड़काव की सलाह दी डॉ शशिकांत ने आलू फसल में सिंचाई करते समय दो तिहाई तक मेड की ऊंचाई तक पानी लगाने की सलाह दी। कार्यक्रम में 100 से अधिक आलू उत्पादकों एवं कृषक महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता देशराज भारतीय द्वारा की गई।

Email :thegramtodayeditor@gmail.com R.N.I No. UTTHIN/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नज़र)

दि ग्राम टुडे

देश,. राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, संघ प्रदेश एवम बुंदेलखंड से एक साथ प्रसारित

शुक्रवार,02,फरवरी,2024 कुल पेज:16 मूल्य प्रति 2/- रूपया

आलू उत्पादक कृषकों हेतु हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दि ग्राम टुडे, कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साकभाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल योजना के अधीन अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत ग्राम बिहारीपुरवा में एक दिवसीय आलू उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं साग भाजी अनुभाग के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर आर बी सिंह द्वारा बताया गया कि आलू फसल में अधिकांश प्रजातियां 90 से सौ दिनों में परिपक्व हो जाती हैं। जब फसल परिपक्व हो जाती है तो उस समय बेल की कटाई कर देनी चाहिए। उन्होने बताया कि बेल कटाई का कार्य खुदाई के 10 से 15 दिन पहले की जानी चाहिए। बेल काटने से आलू कंद का छिलका कड़ा हो जाता है। जिससे आलू कंदों के भंडारण क्षमता में सुधार होता है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि आलू की पछेती फसल में जिंक, लोहा एवं बोरोन सूक्ष्म पोषक तत्वों का परणीय छिड़काव करें। डॉक्टर संजीव सचान ने आलू के विपणन एवं भंडारण विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि आलू का कंद के आकार के आधार पर ग्रेडिंग की जानी चाहिए। डॉ अजय कुमार यादव द्वारा आलू फसल पर लगने वाले रोगों एवं निदान के बारे में बताया तथा कहा कि झुलसा रोग के लिए समय से रीडोमिल दवाई का प्रयोग करें। इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार सिंह द्वारा आलू फसल में कीट प्रबंधन पर जानकारी दी।तथा एमिडेक्लोप्रिड के छिड़काव की सलाह दी डॉ शशिकांत ने आलू फसल में सिंचाई करते समय दो तिहाई तक मेड की ऊंचाई तक पानी लगाने की सलाह दी। कार्यक्रम में 100 से अधिक आलू उत्पादकों एवं कृषक महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता देशराज भारतीय द्वारा की गई।

in to edit and save changes to this file.

अंक-322 कानपुर, शुक्रवार 2 फरवरी 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

पुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

आलू उत्पादक कृषकों हेतु हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साकभाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल योजना के अधीन अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत ग्राम बिहारी पुरवा में एक दिवसीय आलू उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं साग भाजी अनुभाग के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर आरबी सिंह द्वारा बताया गया कि आलू फसल में अधिकांश प्रजातियां 90 से सौ दिनों में परिपक्व हो जाती हैं जब फसल परिपक्व हो जाती है तो उस समय बेल की कटाई कर देनी चाहिए उन्होने बताया कि बेल कटाई का कार्य खुदाई के 10 से 15 दिन पहले की जानी चाहिए बेल काटने से आलू कंद का छिलका कड़ा हो जाता है जिससे आलू कंदों के भंडारण क्षमता में सुधार होता है इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि आलू की पछेती फसल में जिंक, लोहा एवं बोरोन सूक्ष्म पोषक तत्वों का परणीय छिड़काव करें। डॉक्टर संजीव सचान ने आलू के विपणन एवं भंडारण विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि आलू का कंद के आकार के आधार पर ग्रेडिंग की जानी चाहिए डॉ अजय कुमार यादव द्वारा आलू फसल पर लगने वाले रोगों एवं निदान के बारे में बताया तथा कहा कि झुलसा रोग के लिए समय से रीडोमिल दवाई का प्रयोग करें इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार सिंह द्वारा आलू फसल में कीट प्रबंधन पर जानकारी दी तथा एमिडेक्लोप्रिड के छिड़काव की सलाह दी डॉ शशिकांत ने आलू फसल में सिंचाई करते समय दो तिहाई तक मेड की ऊंचाई तक पानी लगाने की सलाह दी कार्यक्रम में 100 से अधिक आलू उत्पादकों एवं कृषक महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता देशराज भारतीय द्वारा की गई।

ीपल का पेड़

Sign in to edit and save changes to this file.

अमर भारती
एक उम्मीद
04 प्रदेश, 06 संस्करण
अंक: 37, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शुक्रवार, 02 फरवरी 2024 शक सम्वत् 1945

आलू उत्पादक कृषकों के लिए हुआ प्रशिक्षण

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के साकभाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल योजना के अधीन अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत ग्राम बिहारीपुरवा में एक दिवसीय आलू उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं साग भाजी अनुभाग के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर आर बी सिंह द्वारा बताया गया कि आलू फसल में अधिकांश प्रजातियां 90 से सौ दिनों में परिपक्व हो जाती हैं। जब फसल परिपक्व हो जाती है तो उस समय बेल की कटाई कर देनी चाहिए। उन्होने बताया कि बेल कटाई का कार्य खुदाई के 10 से 15 दिन पहले की जानी चाहिए। बेल काटने से आलू कंद का छिलका कड़ा हो जाता है। जिससे आलू कंदों के भंडारण क्षमता में सुधार होता है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि आलू की पछेती फसल में जिंक, लोहा एवं बोरोन सूक्ष्म पोषक तत्वों का परणीय छिड़काव करें। डॉक्टर संजीव सचान ने आलू के विपणन एवं भंडारण विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि आलू का कंद के आकार के आधार पर ग्रेडिंग की जानी चाहिए। डॉ अजय कुमार यादव द्वारा आलू फसल पर लगने वाले रोगों एवं निदान के बारे में बताया तथा कहा कि झुलसा रोग के लिए समय से रीडोमिल दवाई का प्रयोग करें। इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार सिंह द्वारा आलू फसल में कीट प्रबंधन पर जानकारी दी।

rni no uphin47232

उपदेश टाइम्स

कानपुर से प्रकाशित एवं कानपुर, उन्नाव, लखनऊ, गोण्डा, जौनपुर, फिरोजाबाद, जालौन उरई, कन्नौज, फर्रुखाबाद, एटा में प्रसारित

2 कानपुर, शुक्रवार 2 फरवरी 2024 पृष्ठ : 8

आलू उत्पादक कृषकों के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया

कानपुर नगर उपदेश टाइम्स चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साक भाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल योजना के अधीन अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत ग्राम बिहारी पुरवा में एक दिवसीय आलू उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं साग भाजी अनुभाग के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर आरबी सिंह द्वारा बताया गया कि आलू फसल में अधिकांश प्रजातियां 90 से सौ दिनों में परिपक्व हो जाती हैं जब फसल परिपक्व हो जाती है तो उस समय बेल की कटाई कर देनी चाहिए उन्होने बताया कि बेल कटाई का कार्य खुदाई के 10 से 15 दिन पहले की जानी चाहिए बेल काटने से आलू कंद का छिलका कड़ा हो जाता है जिससे आलू कंदों के भंडारण क्षमता में सुधार होता है इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि आलू की पछेती फसल में जिंक, लोहा एवं बोरोन सूक्ष्म पोषक तत्वों का परणीय छिड़काव करें। डॉक्टर संजीव सचान ने आलू के विपणन एवं भंडारण विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि आलू का कंद के आकार के आधार पर ग्रेडिंग की जानी चाहिए डॉ अजय कुमार यादव द्वारा आलू फसल पर लगने वाले रोगों एवं निदान के बारे में बताया तथा कहा कि झुलसा रोग के लिए समय से रीडोमिल दवाई का प्रयोग करें इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार सिंह द्वारा आलू फसल में कीट प्रबंधन पर जानकारी दी तथा एमिडेक्लोप्रिड के छिड़काव की सलाह दी डॉ शशिकांत ने आलू फसल में सिंचाई करते समय दो तिहाई तक मेड की ऊंचाई तक पानी लगाने की सलाह दी कार्यक्रम में 100 से अधिक आलू उत्पादकों एवं कृषक महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता देशराज भारतीय द्वारा की गई।

हिंदी दैनिक

यूपी मैसेंजर

जनता की आवाज

यूपी में लखपति दीदियों का बढ़ेगा दायरा...

शुक्रवार, 02 फरवरी 2024 लखनऊ से प्रकाशित वर्ष :

उत्पादक

डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि आलू की पछेती फसल में जिंक

आलू उत्पादक कृषकों हेतु हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण

कानपुर। सीएसए के साकभाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल योजना के अधीन अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत ग्राम बिहारीपुरवा में एक दिवसीय आलू उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं साग भाजी अनुभाग के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर आर बी सिंह द्वारा बताया गया कि आलू फसल में अधिकांश प्रजातियां 90 से सौ दिनों में परिपक्व हो जाती हैं। जब फसल परिपक्व हो जाती है तो उस समय बेल की कटाई कर देनी चाहिए। उन्होने बताया कि बेल कटाई का कार्य खुदाई के 10 से 15 दिन पहले की जानी चाहिए। बेल काटने से आलू कंद का छिलका कड़ा हो जाता है। जिससे आलू कंदों के भंडारण क्षमता में सुधार होता है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि आलू की पछेती फसल में जिंक, लोहा एवं बोरोन सूक्ष्म पोषक तत्वों का परणीय छिड़काव करें। डॉक्टर संजीव सचान ने आलू के विपणन एवं भंडारण विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि आलू का कंद के आकार के आधार पर ग्रेडिंग की जानी चाहिए। डॉ अजय कुमार यादव द्वारा आलू फसल पर लगने वाले रोगों एवं निदान के बारे में बताया तथा कहा कि झुलसा रोग के लिए समय से रीडोमिल दवाई का प्रयोग करें। इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार सिंह द्वारा आलू फसल में कीट प्रबंधन पर जानकारी दी।तथा एमिडेक्लोप्रिड के छिड़काव की सलाह दी डॉ शशिकांत ने आलू फसल में सिंचाई करते समय दो तिहाई तक मेड की ऊंचाई तक पानी लगाने की सलाह दी। कार्यक्रम में 100 से अधिक आलू उत्पादकों एवं कृषक महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता देशराज भारतीय द्वारा की गई।

डॉ अजय कुमार यादव द्वारा आलू फसल पर लगने वाले रोगों एवं निदान के बारे में बताया तथा कहा कि झुलसा रोग के लिए समय से रीडोमिल दवाई का प्रयोग करें। इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार सिंह द्वारा आलू फसल में कीट प्रबंधन पर जानकारी दी।तथा एमिडेक्लोप्रिड के छिड़काव की सलाह दी डॉ शशिकांत ने आलू फसल में सिंचाई करते समय दो तिहाई तक मेड की ऊंचाई तक पानी लगाने की सलाह दी। कार्यक्रम में 100 से अधिक आलू उत्पादकों एवं कृषक महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता देशराज भारतीय द्वारा की गई।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

गुरुवार

01 फरवरी, 2024

अंक - 172

आलू उत्पादक कृषकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साकभाजी अनुभाग द्वारा एक्रिप आलू फसल योजना के अधीन अनुसूचित जाति उप योजना अंतर्गत ग्राम बिहारीपुरवा में एक दिवसीय आलू उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं साग भाजी अनुभाग के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर आर बी सिंह द्वारा बताया गया कि आलू फसल में अधिकांश प्रजातियां 90 से सौ दिनों में परिपक्व हो जाती हैं। जब फसल परिपक्व हो जाती है तो उस समय बेल की कटाई कर देनी चाहिए। उन्होने बताया कि बेल कटाई का कार्य खुदाई के 10 से 15 दिन पहले की जानी चाहिए। बेल काटने से आलू कंद का छिलका कड़ा हो जाता है। जिससे आलू कंदों के भंडारण क्षमता में सुधार होता है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि आलू की पछेती फसल में जिंक, लोहा एवं बोरोन सूक्ष्म पोषक तत्वों का परणीय छिड़काव करें। डॉक्टर संजीव सचान ने आलू के विपणन एवं भंडारण विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि आलू का कंद के आकार के आधार पर ग्रेडिंग की जानी चाहिए। डॉ अजय कुमार यादव द्वारा आलू फसल पर लगने वाले रोगों एवं निदान के बारे में बताया तथा कहा कि झुलसा रोग के लिए समय से रीडोमिल दवाई का प्रयोग करें। इस अवसर पर डॉ अरुण कुमार सिंह द्वारा आलू फसल में कीट प्रबंधन पर जानकारी दी तथा एमिडेक्लोप्रिड के छिड़काव की सलाह दी डॉ शशिकांत ने आलू फसल में सिंचाई करते समय दो तिहाई तक मेड की ऊंचाई तक पानी लगाने की सलाह दी। कार्यक्रम में 100 से अधिक आलू उत्पादकों एवं कृषक महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता देशराज भारतीय द्वारा की गई।